CAREER & EDUCATION

अमर उजाला उड़ान

वर्ष 09 | अंक 28 | बुधवार | 14 जुलाई 2021 | ₹1

सीखें मुश्किल लक्ष्य भेदना

लें 50 दिन का चैलेंज

PAGE 03

सक्सेज सीक्रेट

कंटेंट आपकी कार्य प्रणाली की नींव होती है और वही आपकी सफलता का मानक बनती है...

PAGE 10

एजुकेशन

फोटोग्राफी में थोड़ी समझ रखने वाले युवा भी योग्यता निखार कर खुद को स्थापित कर सकते हैं...

VISIT…

प्रतिभावान को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता

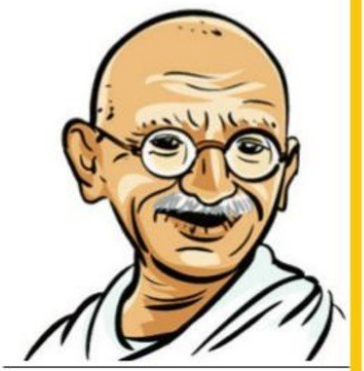

उस मनुष्य की ताकत का कोई मुकाबला नहीं कर सकता, जिसके पास सब्र की ताकत है।
- महात्मा गांधी

प्रतियोगिता एक ऐसा शब्द जिसको सुनते ही मन में एक स्पर्धा का भाव आ जाता है। ऐसी स्पर्धा जिसमें कितने ही अभ्यर्थी शामिल होते हैं। परंतु एक चीज सब में समान होती, स्पर्धा में अपने प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ने का भाव। हर प्रतिस्पर्धा में दुनिया उसी को सलाम करती है, जो शीर्ष पर होता है। हालांकि शीर्ष पर आना इतना आसान नहीं होता। इसके लिए जरूरत होती है कड़ी मेहनत की। आप जितनी मेहनत टॉप-10 में आने के लिए करते हैं उससे चार गुनी मेहनत आपको इस की शीर्ष लिस्ट में टॉप करने के लिए करनी होगी। वहीं प्रतियोगिता में आखिरी में चयन होने वालों की बात करें, तो शीर्ष पर रहने वाले और आखिरी पायदान तक पहुंचने वाले अभ्यर्थियों में दशमलव अंकों का ही फासला हो सकता है, लेकिन जो परीक्षा में चयनित हो जाता है, वह सफल कहलाता है और जो दशमलव अंकों से पिछड़कर बाहर हो जाता है, उसकी गिनती असफल व्यक्तियों की श्रेणी में ही आती है। यही है प्रतियागिता। आज के समय में भारत में बढ़ती बेरोजगारी के चलते प्रतिस्पर्धा इतनी बढ़ गई है कि अच्छे-खासे प्रतिभावान को भी नौकरी मिलना मुश्किल हो रहा है। खैर, इस तथ्य को अपवाद मानना गलत नहीं होगा। क्योंकि, अगर आप प्रतिभावान है तो आपको आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। लाख पर्दों के अंदर दबी प्रतिभा भी अपना प्रदर्शन किए बगैर नहीं रह सकती है। ऐसे में जरूरत होती है सही समय और रणनीति बनाने की। क्योंकि प्रतियोगिता में मौके पर जो अच्छा कर गया वही सफल हो जाता है।

अमर उजाला
समूह का प्रकाशन
नवोन्मेषक स्व. अतुल माहेश्वरी

अमर उजाला लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक वीरेंद्र सिंह पठानिया द्वारा अमर उजाला लिमिटेड, सी-21, सेक्टर 59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से प्रकाशित एवं इम्प्रेशन्स प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18, 19, 20, सेक्टर-59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से मुद्रित।

संपादक. देव प्रकाश चौधरी
फोन. 120-4694000, 2583354 फैक्स. 0120-2587325

RNI No. UPHIN/2012/48168
ई-मेल. asktoudaan@amarujala.com

बर्षा छाबड़िया
रेडियो प्रोफेशनल
भारत सरकार द्वारा सम्मानित

कंटेंट ही है
आपके लक्ष्य की आधारशिला

आपकी सफलता की रेसिपी में सबसे जरूरी मसाला है 'कंटेंट' यानी आपकी "कार्य सामग्री"...

जिस काम को आप शुरू करने जा रहे हैं अथवा जिस काम से आप जुड़े हुए हैं उसमें सबसे पहले जो जरूरी होता है, वह है- उसका कंटेंट।

कंटेंट इज द किंग
किसी भी इमारत की नींव ही उसकी मजबूती होती है। कंटेंट आपकी कार्य प्रणाली की नींव ही होती है। कोई कॉपी या पेस्ट आपकी मदद नहीं कर पायेगी, आपकी कार्य सामग्री क्या है, कैसी है, क्या है, वही मानक बनता है आपकी सफलता का।

कंटेंट सादा हो मगर जोरदार हो
जब कंटेंट यानी कार्य सामग्री में दम हो तभी लोग आकर्षित होते हैं। कोई नया प्रोजेक्ट या आपका पहला साक्षात्कार जब भी हो, लोगों को आपका पहनावा, या स्टाइल भले ही याद न हो, मगर आपका कंटेंट क्या था, वह लोगों के जेहन में जरूर याद रहेगा।

प्रस्तुति नहीं कटेंट ही असली प्रभाव डालता है
आपके सीनियर या क्लाइंट आपका पहला इम्प्रैशन आपके कंटेंट को ही मानेंगे। कार्य क्षेत्र में रिश्ते कटेंट संबंधी ही बनते हैं, क्योंकि, जब काम में कटेंट न हों, तब आपका प्रभाव भी फीका होगा और आपके लिए कार्य-सम्बन्धों की शुरुआत का होना भी मुश्किल होगा।

कंटेंट व्यक्ति विशेष के लिए मूल्यवान होना चाहिए
सबसे जरूरी यह है कि आप किस प्रकार से व्यक्ति विशेष के लिए "वैल्यू" अर्थात महत्व बनाने के तरीके से काम करना चाहते हैं। यह ध्यान रखने वाली बात है कि कंटेंट में मूल्य निहित होता है।

कंटेंट ही स्थायित्व लाता है
सफलता कभी अल्प समय के लिए नहीं बल्कि लम्बे समय के लिए होना चाहिए। चार दिन की चांदनी नहीं बल्कि मीलों का सफर हो इसके लिए आप कौन-सा विचार अपनी कार्य प्रणाली का हिस्सा बनाते हैं वही स्थायित्व लाता है।

कटेंट असल में आपकी विशेषज्ञता प्रस्तुत करता है
आपकी जो भी विशेषता है, वही अंततः आपका कंटेंट बनता है। अतः जब आपके काम में आपकी रुचि का समावेश हो जाता है तब आपका योगदान और भी सुदृढ़ होता है।
कब, कहां, क्यों, कैसे, किस प्रकार, किससे, कितना ये सारे प्रश्न जरूरी हैं किन्तु इन सबसे भी ज्यादा जरूरी है "क्या" और क्या का ही उत्तर है कंटेंट। कंटेंट का अनुसरण करें, सफलता आपके कदम चूमेगी।

Inspiration

YOU HAVE THE BEST SMILE!

Smile- *When it's easy to express or hard to explain.*
Smile- *When Life gives you surprise or pain.*
Smile- *When you feel relax or overburden.*
Smile- *Whenever you see yourself in the mirror or in words of someone.*
Smile- *Whenever your Dear ones support you or someone discourages you.*
Smile- *When you do something stupid or intellectual.*
Just Smile in every situation as God has already decided your destination -**unnati**

लें 50 दिन का चैलेंज

सीखें मुश्किल लक्ष्य भेदना

पचास दिन की चुनौती के तहत आपको अपना मोटिवेशन बनाये रखने के साथ कई स्तरों पर काम करना होता है। इसमें छोटे समय के लिए लक्ष्य निर्धारित करना, विश्लेषण करना, सफलताओं को पहचानना, खराब आदतों को दूर करना, आदि शामिल हैं...

डॉ. राजेश कुमार
निदेशक (शैक्षिक व व्यावसायिक शिक्षा - पूर्व)

आप जानते हैं कि कोई भी काम सफलतापूर्वक करने के लिए के लिए उसकी योजना बनानी होती है, लक्ष्य निर्धारित करना होता है, लक्ष्य का विश्लेषण करना होता है, और छोटे समय के लक्ष्य निर्धारित करने होते हैं। 50 दिन का चैलेंज इसी लक्ष्य की पूर्ति के लिए आपको तैयार करता है। यह आपको जरूरी उपकरण देता है, आपका मोटिवेशन बनाए रखता है, और आपको वह पुश देता है, जो किसी भी काम को करने के लिए जरूरी होता है।

50 दिन तक काम करते रहें

अपने लक्ष्य का विश्लेषण करने के बाद और महीने के लिए छोटे लक्ष्य निर्धारित करने पर आप अपने लिए 50 दिन की चुनौती निर्धारित करें।

इसमें आपको हर रोज – जी हां, हर रोज, अपने छोटे लक्ष्य और उनके माध्यम से बड़े लक्ष्य की ओर काम करना है। और ध्यान रखने की बात है कि जब आप अपने लक्ष्य के लिए काम करते हैं, तो आप यह किसी दूसरे के लिए नहीं करते, इसे आप अपने लिए करते हैं। 50 दिन की यह चुनौती इतनी लंबी अवधि है, जिसमें आप अपने लक्ष्य की ओर चलने के सभी कदम उठा चुके होंगे।

अपने लिए रोल मॉडल की तलाश करें

अपने क्षेत्र के भीतर ऐसे लोगों की तलाश करें, जिन्होंने बड़ी उपलब्धियां हासिल की है। वे आपके रोल मॉडल होंगे, जो आपको हमेशा प्रेरित करते रहेंगे। हमारा रास्ता लंबा होने वाला है, और इस रास्ते के दौरान हो सकता है कि हम कभी-कभी अकेला महसूस करें। लेकिन हमें यह बात याद रखनी होगी कि हम वह पहले व्यक्ति नहीं हैं, और हम अकेले ऐसे व्यक्ति नहीं हैं, जो इस रास्ते पर चला है। बहुत सारे लोगों ने पहले ही ऐसे असाधारण परिणाम हासिल कर लिए हैं, जिन्होंने सेल्फ डिसिप्लिन पर मास्टरी कर ली है। ये वे लोग हैं, जिन्होंने इस बात की परवाह नहीं की कि जिस लक्ष्य की ओर वे जा रहे हैं, उस पर बहुत से लोग फेल हो चुके हैं। आपका काम ऐसे लोगों की तलाश करना है। उनका अध्ययन करें, उनकी कहानी को जाने, समझें, अपने जीवन में उतारें। इनमें से ज्यादातर लोग अपनी यात्रा की कठिनाइयों को साझा करते हैं, और हालांकि बहुत से लोग उनकी उपलब्धियों से प्रभावित होते हैं और उनका ध्यान उन्हीं तक सीमित रह जाता है। लेकिन हम चाहेंगे कि आप उनके रास्ते की कठिनाइयों पर गौर करें।

ये लोग इस बात का जीता-जागता सबूत है कि आपका लक्ष्य हासिल किया जा सकता है, क्योंकि आपसे पहले वे इसे कर चुके हैं। उनके बारे में पढ़ें, उनके साक्षात्कार देखें, और जब कभी आपको लगता है कि आपका मोटिवेशन या अभिप्रेरणा गिर रही है, तो आप उनसे सीखें, उनसे प्रेरणा लें, उनकी कठिनाइयों के बारे में सोचें। अगर उन्होंने अपनी मंजिल हासिल कर ली है, तो इसका मतलब है कि आप भी अपनी मंजिल हासिल कर सकते हैं।

उनके बारे में जानने से यह गारंटी नहीं मिलती कि आप अपनी मंजिल पर पहुंच जाएंगे, लेकिन यह आश्वासन मिलता है कि मंजिल हासिल की जा सकती है, क्योंकि दूसरे लोग मंजिल हासिल कर चुके हैं, और उस तक पहुंचे हैं, जिसके लिए आप प्रयास कर रहे हैं। आपने अपना लक्ष्य जिस क्षेत्र में निर्धारित किया है, उसमें तीन ऐसे लोगों को ढूंढ़ें, जिन्होंने उस क्षेत्र में शानदार सफलताएं हासिल की हैं। इसके बाद उन्हें अपने दिशा-निर्देशक या गाइड के रूप में इस्तेमाल करें।

अपनी प्रगति पर नजर रखें

आपको यह सुनकर आश्चर्य होगा कि लोग अपनी प्रगति को मापने में बहुत ज्यादा रुचि नहीं रखते। पहली बात तो यह है कि अगर आप अपनी प्रगति को नहीं मापते और उसे ट्रैक नहीं करते, तो आप अपने काम में जरूरी सुधार नहीं कर पाएंगे। इसके लिए आपको डेटा की जरूरत होती है, और इसे प्राप्त करने का एकमात्र तरीका इसके लिए कुछ समय निर्धारित करना होता है। अपनी प्रगति में आप जो कुछ भी माप सकते हैं, उसे जरूर मापें। यही वह तरीका है, जिससे आप जान सकते हैं कि कौन-सी चीज काम कर रही है, और कौन-सी चीज काम नहीं कर रही। यह जानकारी होने पर आप इस बारे में बेहतर फैसले कर सकेंगे कि आगे क्या करना है, बजाय इसके कि आप अंधेरे में तीर चलाने लगे, जो लग भी सकते हैं और नहीं भी।

ब्रेक लें, दावत करें

अगर आप अपनी यात्रा के दौरान थक जाते हैं, तो आपको आराम करने का पूरा अधिकार होता है, लेकिन यात्रा छोड़ने का नहीं। आपका लक्ष्य अपने आपमें इतना शानदार विचार है, यह जीवन के प्रति आपके दृष्टिकोण को बदलने का हथियार हो सकता है। ज्यादातर लोग बहुत मेहनत करते हैं, वे मेहनत करते रहते हैं, बिना रुके काम करते रहते हैं, और आखिर में अपने लक्ष्य को छोड़ देते हैं। यहां हमें इस बात को ध्यान में रखने की जरूरत है कि शरीर को ऊर्जा की जरूरत होती है, दिमाग को ऊर्जा की जरूरत होती है, और आपको रीचार्ज करने की जरूरत होती है। अगर आप अपने लक्ष्य को हासिल करना चाहते हैं, तो कभी-कभी उसे ब्रेक लेना, अपनी छोटी उपलब्धियों को का जश्न मनाना, और दावत उड़ाना भी जरूरी होता है। याद रखने की बात यह है कि हमारे लक्ष्य की यात्रा एक बार कि दौड़ या स्प्रिंट नहीं है, बल्कि यह मैराथन है। इसके लिए यह जरूरी है कि आप वहां तक पहुंचने के लिए जिस समय और जिन संसाधनों, जिन घटकों की जरूरत है, उन्हें समझे और अपने साथ रखें, जिनसे आपकी यात्रा में आसानी होगी। इससे आप रणनीति बना सकेंगे और चीजों को अपने नियंत्रण में ले सकेंगे। आप अपनी ऊर्जा को बढ़ा सकेंगे, और जब आपको हताशा महसूस होने लगेगी, तो यह आपको चलते रहने में मदद करेगा। यह बहुत जरूरी है कि आप खुद को मोटिवेटेड महसूस करवाते रहें। इसलिए जब आप अपने लक्ष्य की यात्रा के दौरान किसी कठिन कार्य को पूरा कर लें, जब आप अपनी यात्रा के बड़े हिस्से को पार कर लें, तो खुद को शाबाशी देना न भूलें। यह आपकी कमाई है, जिस पर आपका हक है।

अपनी प्रक्रिया का विश्लेषण करें

कुछ समय के बाद जब आप अपने लक्ष्य की ओर थोड़े चल लेंगे, तो आपके पास ऐसा डेटा होगा, जिसके आधार पर आप अपनी प्रगति का विश्लेषण कर सकेंगे। इसके लिए अच्छा यह रहता है कि जैसे आपने महीने के लिए माइलस्टोन निर्धारित किया है, उसी तरह से आप अपनी प्रक्रिया के विश्लेषण को भी हर महीने करें। इससे आपको अपने प्रगति के चरणों और अपने परिणामों को साथ-साथ रखकर उन्हें समझने का अवसर मिलेगा। हो सकता है कि ऐसा विश्लेषण आपको बोरिंग लगे लेकिन विश्लेषण का वास्तव में बड़ा प्रभाव पड़ता है। आप खुद को बेहतर ढंग से समझ पाते हैं। आपको अपने व्यवहार करने का तरीका समझ में आता है और आप देख पाते हैं कि उन व्यवहारों को संचालित करती है। इस जानकारी के आधार पर आप अपने जीवन को नियंत्रित कर सकते हैं।

तो आप 50 दिन का यह चैलेंज स्वीकार करें, क्योंकि यह चैलेंज आपके सच्चे रूप और आपकी सभी शक्तियों को सामने लाने में आपकी मदद करेगा।

समकालीन साइबर दुनिया में पाइरेसी, कापिंग, आदि देश की सुरक्षा, विभिन्न व्यवसायों के लिए चुनौती के रूप में उभर कर आए हैं...

डॉ. आमना
असिस्टेंट प्रोफेसर,
एसपीएम कॉलेज, डीयू

डिजिटल शिक्षा और साइबर हाइजीन

आज के समय में ई-लर्निंग एक ज़रूरत बन गई है। इंटरनेट हमारे जीवन में पढ़ाई से लेकर नौकरी तक एक निर्धारक भूमिका निभा रहा है। ऑनलाइन आयामों ने जिंदगी में हर जगह हमे प्रभावित किया है। लेकिन साथ ही इससे जुड़े साईबर क्राइम को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है। आज डेटा केवल सूचना का जारिया नही है। हमारे जीवन में डेटा एक महत्त्वपूर्ण स्थान हासिल कर चुका है।

एक स्मार्ट फोन से लेकर कंप्यूटर तक, डेटा का सुदुपयोग लाभदायक साबित हो सकता है। वहीं दूसरी तरफ इसी डेटा को लेकर आज विभिन्न क्षेत्रों में नए खतरे हमारे सामने है। हैकिंग, मैलवेयर, आदि जैसे कई डेटा थ्रेट्स का हमें सामना करना पड़ता है।

सायबर स्पेस एक नया क्षेत्र है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भी इसको लेकर ग्लोबल कॉमन्स के विषय पर काफी चर्चा हुई है। टेक्नलॉजी के विस्तार के साथ राज्यों कि संप्रभुता और उससे जुड़े कई मुद्दे ने कानून और व्यवस्था से सम्बन्धित पहलुओं को उजागर किया है। साइबरस्पेस ने एक देश को दूसरे देश से जोड़ा तो है, लेकिन इस पृष्ठभूमि में इसे

सम्बन्धित खतरों व मानव अधिकार को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। समकालीन समय में पाइरेसी, कापिंग ,आदि देश की सुरक्षा, विभिन्न व्यवसाय के लिए चुनौति के रूप में उभर कर आए हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और साथ ही इंडस्ट्री 5.0 से संबंधित नए औद्योगिक मॉडल्स आदि ऐसे कई मामलों में विभिन्न देश एक समग्र नीति निर्माण की ओर प्रयास कर रहे है। इस बदलती हुई जटिल प्रस्तिथि में नैतिक मूल्य साइबर एथिक्स का भी महत्त्वपूर्ण प्रशन है। सही और गलत की सही तालमेल की शुरुआत हमारे साइबर एटिकेट्स को लागू करने से होती है।

साइबर हाइजीन आपके व्यक्तिगत सुरक्षा की तरह है

जिस प्रकार आप विभिन्न तरीकों से अपने स्वास्थ्य को सुरक्षित रख सकते है, उसी तरह आप साइबर हाइजीन से जुड़ी विभिन तोर तरीकों से अपने डेटा को सुरक्षित कर सकते है। किसी भी व्यक्ति का एक जिम्मेदार पूर्ण ऑनलाइन व्यवहार जैसे सम्मानजनक भाषा का प्रयोग, किसी भी विषय से संबंधित घटना को दोबारा पोस्ट करने से पहले फैक्ट चेक, आदि डिजीटल दुनिया में उसको बेहतर परिणाम दे सकता है। शिक्षक विभिन्न ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफार्मों में होस्ट नियंत्रण ऑप्शन का उपयोग करके क्लॉस को बेहतर ढंग से अनुशासित कर सकते है। पारंपरिक से डिजिटल शिक्षण में परिवर्तन के बारे में सही जागरूकता अभियान होना चाहिए। संदिग्ध स्रोतों से जानकारी डाउनलोड करने से बचे। इंटरनेट ब्राउज़ करते समय, विद्वेषपूर्ण लिंक से सावधान रहें। किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए सही रणनीति का होना जरूरी है।शिक्षा और अनुसंधान में प्रौद्योगिकी के बढ़ते हुए प्रभाव के मामले में भी यही तर्क लागू होता है।पुराने और अप्रयुक्त हार्डवेयर और सॉफ़्टवेयर को अनइंस्टॉल व एंटीवायरस सुनिश्चित करना, डेटाका बैक उप, उचित पासवर्ड प्रबंधन आदि इस प्रक्रिया में हमारे इंटरनेट और टेक्नोलॉजी द्वारा किए गए हर तरह की क्रिया में उपयोगी साबित हो सकते है।

दुःख को 'मित्र' बनाना सीखें

दुःख में मनुष्य स्वयं को तपाकर सहनशीलता के चरम का स्पर्श करता है और स्वयं को कुन्दन बनाता है....

आचार्य
पं. पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविद् और समीक्षक

प्रकाश के अस्तित्व के लिए अन्धकार का रहना अनिवार्य है। यही कारण है कि 'सकार' के लिए 'नकार' वांछनीय है। आपके भीतर यदि अवगुण है तो आप उसके स्थान पर 'गुण' की स्थापना करने के लिए प्रयासशील रहते हैं। अब देखिए न! एक माह में अनिवार्य रूप से 'कृष्ण पक्ष' पन्द्रह दिनों का होता है और ठीक उसके बाद पन्द्रह दिनों के लिए 'शुक्ल पक्ष' आता है। यह क्रम बना रहता है। इसी तरह, जीवन में 'दुःख' और 'सुख' का क्रम क्रमशः आता रहता है।

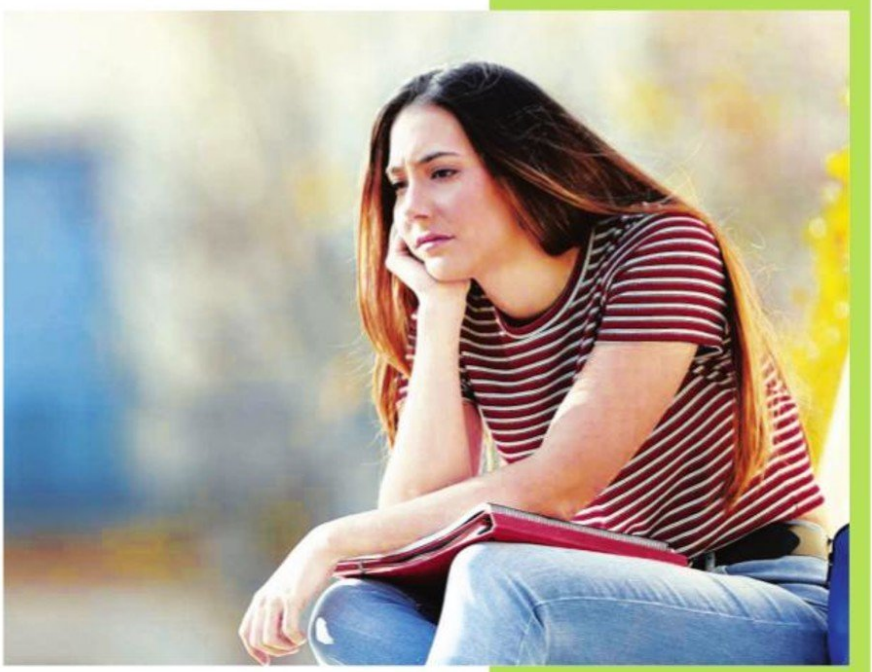

विद्यार्थी-जीवन साधना का होता है और साधक स्वयं के लिए कभी सुख की कामना नहीं करता। कहा भी गया है कि जो विद्यार्थी सुख की चाह करता है, वह विद्या अर्जित नहीं कर सकता। यही कारण है कि पहले जब गुरुकुल-आश्रम में बालक-किशोरों को विद्याध्ययन करने के लिए भेजा जाता था तब उसे गुरु यज्ञादिक करने और भोजन आदिक की व्यवस्था करने के लिए समीप के वन से लकड़ियां लाने के लिए भेजते थे। गुरु अपने शिष्यों को आस-पास की बस्तियों में भिक्षा मांगने के लिए भेजा करते थे। इससे शिष्यों के मन-मस्तिष्क में विनम्रता-सहनशीलता-धैर्य का संस्कार भरा जाता था और उसे दुःख-कष्ट सहन करने के लिए समर्थ और स्वावलम्बी बनाया जाता था। आज वैसी स्थिति नहीं है; आज तो विद्यार्थियों को भौतिकता के पंक में गिरने के लिए अवसर दिया जाता है, जिसके लिए सर्वाधिक दोषी मां-बाप हैं, जो अपनी संतति की हर इच्छा पूरी कर उसे मनबढ़ बनाते जा रहे हैं। यही कारण है कि वैसे विद्यार्थी संकट में घबराते हैं और अपनी 'बुद्धि' का कपाट बन्द कर लेते हैं। इससे उनका कष्ट कम नहीं होता, बल्कि और बढ़ता ही जाता है और गहन भी होता रहता है। दुःख की अवस्था में विद्यार्थी की क्षमता की पहचान होती है। दूसरी ओर, संकट की घड़ी में मित्र और स्वजन की पहचान और परख होती है तथा धैर्य की कसौटी पर उसका बहुविध परीक्षण किया जाता है।

अच्छा-बुरा जीवन-चक्र है और एक-दूसरे पर आधारित भी; जैसे-- तम के बाद पुंज, इसीलिए वे एक-दूसरे के पूरक कहलाते हैं। इससे कोई बच नहीं सका है। हम यदि सुखमय जीवन की ही आकांक्षा करें और दुःख से स्वयं को अलग करना चाहें तो यह जीवलोक की व्यवस्था के प्रति न्याय नहीं है; दुःख का उपभोग तो आगे बढ़कर करना चाहिए। इससे मनुष्य निखरता है और उसकी अनुभूति गहन होती है।

आज हम जब समाचार-पत्रों में पढ़ते हैं कि मजदूरी कर रहे किसी व्यक्ति की संतान ने आईएएस की परीक्षा में वरीयताक्रम में प्रभावकारी स्थान अर्जित किया है तब मन में कई सवाल उठते हैं कि उसने ऐसा कैसे किया होगा? सच यह है कि उसने अपने गरीब और अभावपूर्ण जीवन जीने वाले मां-बाप को सर्वाधिक समीप से देखा है; उनकी आह और संवेदना का अनुभव किया है तथा अपनी समस्त इच्छाओं का दमन कर, प्रतिष्ठापरक सेवा-परीक्षा में अपनी योग्यता रेखांकित की है। क्या आप भी ऐसा करेंगे?

प्रमुख विचारणीय बातें

- *दुःख में ही सुख का भाव छुपा रहता है। उसे पहचानने की आवश्यकता है।*
- *विद्यार्थी-जीवन में सुख का कहीं-कोई स्थान नहीं।*
- *विद्यार्थी को चाहिए कि वे माँ-बाप के धन का दुरुपयोग न करें।*
- *माँ-बाप को चाहिए कि वे अपनी सन्तान को अपने अभावों का अनुभव कराते रहें।*
- *दुःख की आग में तपकर कंचन-सदृश स्वयं को बनायें।*
- *दुःख भोगने के बाद जब सुख-स्वाद मिलता है तब वह विद्यार्थी को भौतिकलोक की निरर्थकता के प्रति सजग करने में सहायक बनता है।*

अपने सामान्य ज्ञान को बेहतर करने के लिए जरूरी है कि पिछली परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का पैटर्न समझा जाए...

निम्नलिखित में से कौन-सी विटामिन की कमी रतौंधी का कारण है? (उत्तराखंड हाईकोर्ट अपर निजी सचिव परीक्षा 2020)

(a) विटामिन A
(b) विटामिन B 12
(c) विटामिन सी 2
(d) विटामिन B 2

जवाब: (a) विटामिन A

व्याख्या: रतौंधी एक तरह की आंखो बीमारी है। इसमें आंखो के सामने अंधेरा सा छा जाता है। रतौंधी को अंग्रजी में Night blindness के नाम से जाना जाता है। रतौंधी, या निएक्टालोपिया, वह जगह है जहां आंख कम रोशनी की स्थिति में अनुकूल नहीं होती है, जैसे कि रात के समय। यह विटामिन-ए की कमी से होता है। विटामिन-ए के विभिन्न स्रोत हैं जिनमें पौधे-आधारित और पशु-आधारित स्रोत शामिल हैं। विटामिन ए कॉड लिवर ऑयल, अंडे, फोर्टिफाइड अनाज, हरी पत्तेदार सब्जियों, नारंगी और पीली सब्जियों, गाजर और फलों में पाया जाता है।

जलियांवाला बाग हत्याकांड किस वर्ष हुआ था? (उत्तराखंड हाईकोर्ट अपर निजी सचिव परीक्षा 2020)

(a) 1916
(b) 1920
(c) 1919
(d) 1921

जवाब: (c) 1919

व्याख्या: 13 अप्रैल, 1919 को जलियांवाला बाग में आयोजित एक शांतिपूर्ण बैठक में शामिल लोगों पर ब्रिगेडियर जनरल रेगीनाल्ड डायर ने गोली चलाने का आदेश दिया था, जिसमें हज़ारों निहत्थे पुरुष, महिलाएं और बच्चे मारे गए थे। रॉलेट एक्ट या काला कानून जिस को 10 मार्च 1919 को पारित किया गया। जिसके माध्यम से सरकार को अब किसी व्यक्ति को जो देशद्रोही गतिविधियों में लिप्त था और जिससे देशव्यापी अशांति फैलने का डर था, बिना मुकदमा चलाए कैद करने का अधिकार मिल गया। इसका देशभर में विरोध किया जा रहा था। 13 अप्रैल, 1919 को इस एक्ट के अंतर्गत बंदी बनाए गए सैफुद्दीन किचलू और डॉ. सत्यपाल की रिहाई का अनुरोध करने के लिये जलियांवाला बाग में लगभग 10,000 पुरुषों, महिलाओं और बच्चों की भीड़ जमा हुई।

निम्नांकित में से कौन ब्रिटिश संसद के सदस्य रहे? (उत्तराखंड हाईकोर्ट अपर निजी सचिव परीक्षा 2020)

(a) राममोहन रॉय
(b) गोपालकृष्ण गोखले
(c) महात्मा गांधी
(d) दादाभाई नौरोज़ी

जवाब: (d) दादाभाई नौरोज़ी

व्याख्या: 1855 में पहली बार नौरोजी ब्रिटेन पहुंचे। वह वहां की समृद्धि देख स्तब्ध रह गए। वह समझने की कोशिश करने लगे कि उनका देश इतना गरीब और पिछड़ा क्यों है। यहां से नौरोजी के दो दशक लंबे आर्थिक विश्लेषण की शुरुआत हुई जिसमें उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य की उस मान्यता को चुनौती दी जो साम्राज्यवाद को उपनिवेशी देशों में समृद्धि का कारण मानता है। नौरोज़ी भारत में सुधारों की मांग को ब्रिटिश जनमत के समक्ष रखने को तत्पर थे। 1892 में लंदन के सेंट्रल फिंसबरी से नौरोजी ने सिर्फ पांच वोटों से चुनाव जीता।

किस शासक के काल में डोमिंगो पेस भारत आया था? (उत्तराखंड हाईकोर्ट अपर निजी सचिव परीक्षा 2020)

(a) टीपू सुल्तान
(b) कृष्णदेव राय
(c) हैदर अली
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

जवाब: (b) कृष्णदेव राय

व्याख्या: डोमिंगो पेस (16वीं शताब्दी) एक पुर्तगाली यात्री था, जिसने 1520 के आसपास दक्षिणी भारत में दक्कन में स्थित विजयनगर साम्राज्य का दौरा किया था । वह गोवा के तत्कालीन उपनिवेश के व्यापारियों के एक समूह के हिस्से के रूप में वहां गया था । उनकी यात्रा राजा कृष्ण देव राय के शासन के दौरान हुई और पेस ने अपने क्रॉनिका डॉ.स रीस डी बिस्नागा ("विजयनगर राजाओं का क्रॉनिकल") में विजयनगर राज्य के अपने अनुभवों को दर्ज किया । उनका विस्तृत विवरण उस साम्राज्य और उसकी राजधानी, विजयनगर (हंपी) के कुछ ज्ञात विवरणों में से एक है, जो विदेश के एक यात्री द्वारा किया गया था।

निम्नांकित में से कौन होमरुल आंदोलन से सम्बंधित था? (उत्तराखंड प्रवक्ता स्क्रीनिंग परीक्षा 2021)

(a) एनी बेसेंट
(b) विजयलक्ष्मी पंडित
(c) कमला नेहरू
(d) सरोजिनी नायडू

जवाब: (a) एनी बेसेंट

व्याख्या: होमरूल शब्द आयरलैंड के एक ऐसे ही आन्दोलन से लिया गया था जिसका सर्वप्रथम प्रयोग श्यामजी कृष्ण वर्मा ने 1905 में लन्दन में किया था। लेकिन इसका सार्थक प्रयोग करने का श्रेय बाल गंगाधर तिलक और एनी बेसेंट को है। भारत में दो होमरूल लीगों की स्थापना की गयी,जिनमे से एक की स्थापना बाल गंगाधर तिलक ने अप्रैल 1916 में पूना में की थी और दूसरी की स्थापना एनी बेसेंट ने सितम्बर 1916 में मद्रास में की थी।

'इंडिया विंस फ्रीडम' के लेखक कौन थे? (उत्तराखंड प्रवक्ता स्क्रीनिंग परीक्षा 2021)

(a) वी. डी. सावरकर
(b) डॉ. अम्बेडकर
(c) मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
(d) अरविंद घोष

जवाब: (c) मौलाना अबुल कलाम आज़ाद

व्याख्या: इंडिया विंस फ्रीडम" पुस्तक स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आजाद ने लिखा था, यह पुस्तक वर्ष 1959 में प्रकशित हुई थी। पंडित जवाहरलाल नेहरू की कैबिनेट में 1947 से 1958 तक मौलाना अबुल कलाम आजाद शिक्षा मंत्री रहे। 22 फरवरी, 1958 को हृदय आघात से उनका निधन हो गया। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने आईआईटी, आईआईएम और यूजीसी (यूनिवर्सिटी ग्रांट कमिशन) जैसे संस्थानों की स्थापना में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। उनके योगदानों को देखते हुए 1992 में उनको भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया और उनके जन्मदिन को भारत में नैशनल एजुकेशन डे यानी राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के तौर पर मनाने का फैसला किया जाता है।

निम्नलिखित में से कौन 15 अगस्त 1947 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष था? (उत्तराखंड प्रवक्ता स्क्रीनिंग परीक्षा 2021)

(a) जवाहरलाल नेहरू
(b) आचार्य जे. बी. कृपलानी
(c) मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
(d) डॉ. राजेंद्र प्रसाद

जवाब: (b) आचार्य जे. बी. कृपलानी

व्याख्या: जीवंतराम भगवानदास कृपलानी भारत की स्वतंत्रता के समय कांग्रेस के अध्यक्ष थे। कृपलानी एक दार्शनिक, गांधीवादी, समाजवादी, पर्यावरणविद और स्वतंत्रता सेनानी थे। कृपलानी 1912 से 1917 तक बिहार में "ग्रियर भूमिहार ब्राह्मण कॉलेज मुजफ्फरपुर" में अंग्रेजी और इतिहास के प्राध्यापक रहे और इसी दौरान वह महात्मा गांधी के संपर्क में आए जब बिहार में चंपारण सत्याग्रह हुआ। 1919 में उन्होंने थोड़े समय के लिए बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में भी पढ़ाया। 1920 से 1927 तक कृपलानी महात्मा गांधी द्वारा स्थापित गुजरात विद्यापीठ के प्रधानाचार्य रहे। यहीं से उन्हें आचार्य कृपलानी कहा जाना शुरू हुआ।

रक्त में पायी जाने वाली किन कणिकाओं का सम्बंध रोग प्रतिरोधक क्षमता से है? (उत्तराखंड प्रवक्ता स्क्रीनिंग परीक्षा 2021)

(a) लाल रक्त कणिका
(b) श्वेत रक्त कणिका
(c) प्लेटलेट्स
(d) इनमें से कोई नहीं

जवाब: (b) श्वेत रक्त कणिकाएं

व्याख्या: सफेद रक्त कोशिकाओं (डब्ल्यूबीसी) को ल्यूकोसाइट्स के साथ-साथ सफेद कॉर्पसकल भी कहा जाता है। ये रक्त के सेलुलर घटक हैं जिनमें हीमोग्लोबिन की कमी होती है लेकिन इसमें नाभिक होता है। सफेद रक्त कोशिकाओं का मुख्य कार्य शरीर को संक्रमण और बीमारी से बचाने के लिए होता है।

टीकाकरण का जनक था: (उत्तराखंड प्रवक्ता स्क्रीनिंग परीक्षा 2021)

(a) जोनास ई. साल्क
(b) एडवर्ड जेनर
(c) पोल मूलर
(d) रॉबर्ट फोर्स्ट

जवाब: (b) एडवर्ड जेनर

व्याख्या: इंग्लैंड में जन्में एडवर्ड जेनर मेडिकल के इतिहास में सर्वाधिक प्रसिद्ध फिजीशियनों में से एक हैं। जेनर ने एक अवधारणा का परीक्षण किया कि काउपॉक्स का संक्रमण किसी व्यक्ति को चेचक के संक्रमण से बचा सकता है। जेनर के समय से लेकर अब तक के सभी टीके उनकी इन्हीं खोजों पर आधारित हैं।

संकलनकर्ता: जितेश जोशी

नॉर्थकैप यूनिव-सिटी देश के टॉप-10 विवि में शामिल

नॉर्थकैप यूनिवर्सिटी (एनसीयू) गुरुग्राम ने प्रतिष्ठित क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यूएस) स्टार रेटिंग्स में समग्र रूप से क्यूआर 4 स्टार्स के साथ प्रतिष्ठित भारतीय विश्वविद्यालयों के समूह में जगह बना ली है। भारत के दस से भी कम विश्वविद्यालयों को यह प्रतिष्ठा प्राप्त है। क्यूएस की 4-स्टार रेटिंग के साथ एनसीयू ने भारत के सबसे आकर्षक विश्वविद्यालयों में अपनी जगह पक्की कर ली है। क्यूएस स्टार्स रेटिंग सिस्टम अध्यापन में उत्कृष्टता, अत्याधुनिक सामग्री, उच्च स्तरीय शिक्षा विधि और सीखने के परिणामों के आधार पर की जाती है। क्यूएस शैक्षणिक संस्थानों को 1 से 5 स्टार के मानक पर और फिर 8 अलग-अलग मानकों पर मूल्यांकन के लिए विस्तृत, निष्पक्ष परीक्षण प्रक्रिया अपनाती है।

रेटिंग के तहत मूल्यांकन की रिपोर्ट के अनुसार एनसीयू ने अध्यापन, रोजगार योग्यता, शैक्षिक विकास, ऑनलाइन सीखने और सब के विकास के मानक पर स्टार्स का परफेक्ट 5 स्कोर हासिल किया है। यह रेटिंग एनसीयू के विभिन्न मानकों पर उत्कृष्टता का प्रमाण है जैसे उत्कृष्ट शिक्षा, समग्र शैक्षणिक उत्कृष्टता और विद्यार्थियों की सफलता।

Admission Alert

B.Des के लिए करें आवेदन

JK लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी (जेकेएलयू) ने B.Des प्रोग्राम 2021 में एडमिशन की घोषणा की है।

कोर्स

- प्रोडक्ट डिजाइन - इंटरैक्शन डिजाइन
- इंटीग्रेटेड कम्युनिकेशन डिजाइन
- इंटरडिस्प्लीनरी डिजाइन

अंतिम तिथि: 15 जुलाई 2021

योग्यता: 10+ 2 अथवा समकक्ष एवं 12वीं परीक्षा में शामिल छात्र

- आवेदन करने वालों को 2020-21 में आयोजित UCEED या NID DAT जैसे राष्ट्रीय स्तर के डिजाइन एडमिशन टेस्ट में से किसी एक में उपस्थित होना जरूरी है। अगर उम्मीदवार ने कोई राष्ट्रीय स्तर की डिजाइन परीक्षा नहीं दी है, तो उन्हें इस प्रोग्राम में एडमिशन के लिए जेकेएलयू डिजाइन एडमिशन टेस्ट (डीईटी) से गुजरना होगा।

लिंक: https://applications.jklu.edu.in/lp/application2021.html

फोटोग्राफी में हैं अपार संभावनाएं

फोटोग्राफी की थोड़ी समझ रखने वाले युवा भी अपनी योग्यता निखार कर इस क्षेत्र में खुद को स्थापित कर सकते हैं....

सुमित सौरभ
डायरेक्टर, डिजाइन सर्कल

आज के दौर में सभी लोग अपने मोबाइल से फोटो खींचते रहते है, लेकिन कई लोग इतनी अच्छी फोटो खींचते हैं कि सभी लोग उनकी खींची फोटो की तारीफ किए बिना नहीं रह सकते। अगर आप को अच्छी फोटो खींचने की समझ है और बेहतर तरीके से कैमरा संभाल लेते हैं, साथ में क्रिएटिव सोच के भी हैं, तो इस क्षेत्र में अपना कॅरिअर बना सकते हैं। फोटोग्राफी आपके लिए एक बेतरीन स्वरोजगार भी साबित हो सकता है।

कैमरे का बढ़ता दायरा

स्टूडियो और सामाजिक समारोह के अलावा आज के समय में थीम आधारित पार्टी, फैशन उद्योग, पर्यटन उद्योग, समाचार पत्र जैसी कई जगहों में इनके बगैर बेहतर काम होना संभव नहीं है। छोटे शहरों में भी इनका तेजी से विकास हुआ है। ऐसे में वहां के प्रोफेशनल फोटोग्राफर के लिए काफी मौके पैदा हुए हैं।

संभावना

आज छोटे शहरों में थीम पार्टी का चलन काफी बढ रहा है। ऐसे में थीम फोटोग्राफी की मांग तेजी से बढ़ी है। मॉडलिंग की दुनिया में जाने की चाहत रखने वाले छोटे शहर के काफी युवा अपना पोर्टफोलियों तैयार करने के लिए प्रोफेशनल फोटोग्राफर की तलाश में रहते हैं।

जगह, वेबसाइट और मार्केटिंग

फोटोग्राफी के क्षेत्र में स्वरोजगार शुरु करने के लिए जरुरी नहीं है कि आपका स्टूडियो हो ही। अगर बाजार के किसी प्रमुख क्षेत्र में स्टूडियो हो तो बेहतर होगा। इन स्टूडियो में खुद से तैयार किए गए अलग-अलग तरह के फोटो शूट आदि को जगह दे सकते हैं।

योग्यता

जिन लोगों में फोटोग्राफी के लिए जुनून है उन लोगों के लिए किसी भी तरह की योग्यता की जरुरत नहीं है, लेकिन फिर भी आप इसके लिए कोई प्रोफेशनल कोर्स करना चाहते हैं, तो 12वीं के बाद इसके लिए कई तरह के कोर्स में एडमिशन लेकर प्रोफेशनल फोटोग्राफी सीख सकते हैं। 12वीं के बाद फोटोग्राफी में कई तरह के डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स होते हैं। उनमें दाखिला लिया जा सकता है। इसके अलावा आपको फोटोशॉप जैसे सॉफटवेयर का भी ज्ञान होना जरुरी है ताकि अपनी फोटोग्राफी स्किल को और अधिक निखारा जा सके।

प्रशिक्षण है जरुरी

यह एक ऐसा स्वरोजगार है, जो पूरी तरह से व्यावहारिक जानकारी पर आधारित है। इसके लिए रचनात्मक सोच के साथ-साथ प्रशिक्षण लेना भी जरुरी है। इस क्षेत्र में अच्छा करने के लिए विजुअल कमांड के साथ-साथ टेक्नोलॉजी का ज्ञान अहम माना जाता है। प्रशिक्षण के जरिए ही हम कैमरे का सही उपयोग सीख पाते हैं। स्टिल फोटोग्राफी करते वक्त कैमरे की गुणवता, कैमरे की शटर स्पीड, फोकस आदि का ध्यान रखना जरुरी होता है। स्टिल फोटोग्राफी के लिए जरुरी है कि रोशनी का ध्यान रखने की कला और फ्रेम का संयोजन सही हो। यह प्रशिक्षण से ही सीखा जा सकता है। ऐसे में यह जरुरी है कि अपना काम शुरु करने से पहले फोटोग्राफी का शॉर्ट टर्म कोर्स कर लिया जाए या फिर आप किसी एक्सपर्ट प्रोफेशनल के साथ ये बारीकियां सीख सकते हैं।

ई-लर्निंग के क्षेत्र में सहयोग का बढ़ाया हाथ

सचिन सरदना
सह संस्थापक, धुरिना

ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म 'धुरिना' की शुरुआत करने वाले चार दोस्तों में से एक सचिन सरदना ने इसके विभिन्न फीचर्स के बारे में बताते हुए इसे बेहद उपयोगी और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री प्रदान करने वाला बताया है। पेश हैं उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश...

इस प्लेटफॉर्म को आरंभ करने के बारे में आपको कैसे विचार आया?

विद्या धनं सर्वे धनं प्रधानम् ।।

इस सोच को बढ़ावा देते हुए चार दोस्तों ने एक ऐसा प्लेटफॉर्म स्थापित किया जिससे आज लाखों बच्चे अपने सपनों को पूरा कर रहे हैं। धुरिना, राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए एक ई-लर्निंग ऐप है जो जून 2019 में हरियाणा राज्य में लौंच की गई थी। धुरिना नामक एक ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म की स्थापना के पीछे अलग अलग पृष्ठभूमि का अनुभव रखने वाले चार दोस्तों सचिन, संजय, मुरारी और अजय की गहरी दोस्ती सबसे अहम है। सभी चार सह-संस्थापकों का एक साथ काम करने का लंबा इतिहास रहा है। चारों ने तय किया कि अपने अनुभव एवं ज्ञान का प्रयोग एक प्लेटफॉर्म के लिए किया जाए ताकि बड़ी संख्या में छात्रों तक पहुंच बनाई जा सके और उन मुद्दों को हल कर सकें जिनसे छात्रों को गुजरना पड़ता है। इसी से धुरिना की शुरुआत हुई

धुरिना-नाम देने के बारे में बताएं।

धुरिना एक हिंदी शब्द- 'धुरंदर' से उत्पन्न हुआ है, जिसका अर्थ है 'किसी विशेष क्षेत्र में माहिर'। यह हमारे शिक्षकों की गुणवत्ता को इंगित करता है जो अपने-अपने क्षेत्रों में माहिर हैं और इस बात का प्रतीक हैं कि हम अपने छात्रों को उनके संबंधित क्षेत्रों में माहिर बनने के लिए कैसे प्रेरित करते हैं।

भारत में कई ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म हैं। धुरिना उनसे कैसे अलग है?

हाँ, भारत में कई ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म हैं , लेकिन उनमें से अधिकांश बैंकिंग, यूजीसी नेट और ऐसी अन्य केंद्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उम्मीदवारों को तैयार करने पर केंद्रित हैं। धुरिना मुख्य रूप से राज्य-स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं पर केंद्रित है क्योंकि ऐसी परीक्षाओं के लिए उम्मीदवारों की संख्या केंद्रीय परीक्षाओं की तुलना में पाँच गुना है, और राज्य-स्तरीय परीक्षा तैयारी संसाधन प्रदान करने वाले प्लेटफ़ॉर्म कुछ ही हैं।

कौन-कौन से कोर्स इस पर मौजूद हैं?

हम 100 से ज्यादा राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं के पाठ्यक्रमों के साथ-साथ अंग्रेजी बोलने, कंप्यूटर और साक्षात्कार-तैयारी के लिए पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। हमारे अधिकांश पाठ्यक्रम 500 रुपये से 2,000 रुपये के बीच उपलब्ध हैं। हाल ही में, हमने कुछ केंद्रीय परीक्षाओं व NEET की परीक्षा की तैयारी के लिए भी पाठ्यक्रम शुरू किए हैं।

हमारे पाठ्यक्रमों में शामिल हैं:

- लाइव या रिकॉर्डेड वीडियो लेक्चर
- सम्पूर्ण सिलेबस
- फ्री नोट्स
- टेस्ट सीरीज
- ई-पेपर्स आदि।

छात्रों की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया क्या है?

एक नया छात्र निम्नलिखित चरणों का पालन करके किसी भी पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण कर सकता है:

1. Google Play Store/App Store से धुरिना ऐप इंस्टॉल करें।
2. 'रजिस्टर' बटन पर क्लिक करें।
3. दिए गए फॉर्म में अपना विवरण भरें और 'साइन अप' बटन पर क्लिक करें।
4. उन परीक्षाओं की श्रेणी का चयन करें जिनकी आप तैयारी करना चाहते हैं।
5. संबंधित पाठ्यक्रम खोजने के लिए बाईं ओर स्क्रॉल करें।
6. 'Buy' बटन पर क्लिक करें।
7. कोर्स की राशि का भुगतान करें।

पाठ्यक्रम को ऐप पर 'माई कोर्सेज' सेक्शन में जोड़ा जाएगा।

शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए भविष्य में आपकी क्या योजना है?

"शिक्षा के क्षेत्र को जिस भेद्यता का सामना करना पड़ता है, उसे समझते हुए, व छात्रों की जरूरतों व सामर्थ्य को ध्यान में रखते हुए, हमारा प्रयास इच्छुक छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण सामग्री, विशेषज्ञ संकाय और नवीन प्रशिक्षण तंत्र प्रदान करना है। हम अखिल भारतीय स्तर पर विस्तार करने की योजना बना रहे हैं और जल्द ही, हम अपने देश के हर गांव और कस्बे में सस्ती कीमतों पर और देश के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने में सक्षम होंगे।"

केंद्र सरकार में सबसे बड़ा मंत्रीमंडलीय विस्तार

शपथ ग्रहण से कुछ घंटे पहले ही स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और आईटी मंत्रियों ने इस्तीफे दे दिए थे...

मोदी सरकार का सबसे बड़ा कैबिनेट विस्तार हुआ है। जिसमें कई मंत्रियों की छुट्टी भी हो गई हैं। मोदी सरकार का ये दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के बाद से ही कई मंत्री ऐसे हैं, जिनके पास एक से अधिक मंत्रालय हैं। नरेंद्र मोदी सरकार के 43 मंत्रियों ने शपथ ले ली है। ये किसी सरकार का सबसे बड़ा मंत्रिमंडल विस्तार है। शपथ ग्रहण से कुछ घंटे पहले ही देश के स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रियों ने इस्तीफे दिए। मोदी सरकार के कुल 12 मंत्रियों को पद से हटाया गया है। 'मिनिमम गवर्नमेंट और मैक्सिमम गवर्नेंस' का नारा देने वाले नरेंद्र मोदी की सरकार में 36 नए मंत्री शामिल किए गए हैं। कैबिनेट में रहे कुछ मंत्री, जिनके पास एक से अधिक मंत्रालय थे, चलिए जानते हैं-

- **डॉ. हर्षवर्धन:** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भू-विज्ञान मंत्रालय
- **रविशंकर प्रसाद :** कानून एवं न्याय मंत्रालय, संचार मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स-सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालयउद्योग मंत्रालय
- **स्मृति ईरानी :** महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, कपड़ा मंत्रालय
- **प्रकाश जावड़ेकर :** पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय
- **पीयूष गोयल:** रेल मंत्रालय, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय
- **रमेश पोखरियाल निशंक:** केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय

मोदी सरकार के नए कैबिनेट मंत्री

- ***हरदीप पुरी*** *– पेट्रोलियम मंत्री, शहरी विकास मंत्रायल*
- ***मनसुख मंडाविया*** *– स्वास्थ्य मंत्री*
- ***जी किशन रेड्डी*** *– संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री*
- ***नारायाण राणे*** *– MSME मिनिस्ट्री*
- ***किरेन रिजिजू*** *– कानून मंत्री*
- ***आरसीपी सिंह*** *– इस्पात मंत्रालय*
- ***अश्विनी वैष्णव*** *– रेल मंत्री, आईटी मंत्री*
- *नारायण राणे ● सर्वानंद सोनोवाल*
- *डॉ. वीरेंद्र कुमार ● ज्योतिरादित्य सिंधिया*
- *रामचंद्र प्रसाद सिंह ● पशुपति कुमार पारस*
- *राजकुमार सिंह ● भूपेंद्र यादव*
- *पुरुषोत्तम रूपाला ● जी किशन रेड्डी*
- *अनुराग सिंह ठाकुर*

जिन 12 मंत्रियों ने इस्तीफे दिए हैं, उनके नाम हैं

- *रविशंकर प्रसाद, क़ानून मंत्री*
- *प्रकाश जावड़ेकर, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय*
- *थावरचंद गहलोत, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय*
- *डॉ. हर्षवर्धन, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय*
- *संतोष गंगवार, केंद्रीय श्रम मंत्रालय*
- *रमेश पोखरियाल निशंक, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय*
- *रतनलाल कटारिया*
- *संजय धोत्रे, राज्य मंत्री, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय*
- *देबोश्री चौधरी, राज्य मंत्री, महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय*
- *बाबुल सुप्रियो, राज्य मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय*
- *सदानन्द गौड़ा, केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय*
- *प्रताप सारंगी, राज्य मंत्री, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय*

WEEKLY DAIRY

07 जुलाई

भूमध्य सागर के लिए चल रही तैनाती के अंतर्गत आईएनएस तबर ने नेपल्स में इटली की नौसेना के एक अग्रिम फ्रिगेट, आईटीएस एंटोनियो मार्सेग्लिया (एफ 597) के साथ एक समुद्री साझेदारी युद्ध अभ्यास किया। दोनों जहाजों ने 'स्टीम पास्ट' के साथ अभ्यास समाप्त किया।

08 जुलाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रतिस्पर्धा कानून और नीति के मामले में आपसी सहयोग को बढ़ावा देने एवं इसे मजबूती प्रदान करने के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) और जापान फेयर ट्रेडकमीशन (जेएफटीसी) के बीच एमओसी को मंजूरी दी।

09 जुलाई

खादी और ग्रामोउद्योग आयोग (के.वी.आई.सी.) ने तीन देशों भूटान, संयुक्त अरब अमीरात और मेक्सिको में खादी ट्रेडमार्क हासिल किया है। यह खादी ब्रॉन्ड को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने में बड़ा कदम है। इन देशों के अलावा के.वी.आई.सी. के दुनियाभर में 40 देशों में ट्रेडमार्क के आवेदन लंबित हैं।

खेल

■ दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया की एश्ले बार्टी 8 जुलाई को पहली बार विंबलडन का खिताब जीता। इस जीत के साथ ही बार्टी इवोन गुलागोंग के बाद विंबलडन फाइनल में खेलने वाली पहली ऑस्ट्रेलियाई महिला बनीं। इससे पहले उन्होंने 2019 में फ्रेंच ओपन का खिताब अपने नाम किया था और 2020 में ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंची थीं।

■ भारतीय मूल के अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी समीर बनर्जी ने 11 जुलाई को विंबलडन में इतिहास रच दिया। उन्होंने फाइनल मुकाबले में हमवतन विक्टर लिलोव को सीधे सेटों में हराकर विंबलडन में लड़कों का एकल खिताब अपने नाम किया।

■ पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण को बंगाल क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी सलाहकार के रूप में बरकरार रखा गया था, जबकि लक्ष्मी रतन शुक्ला को अंडर -23 कोच के रूप में नियुक्त किया गया है।

नियुक्ति

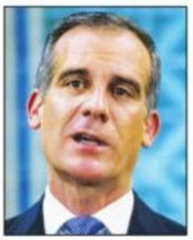

■ अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने लॉस एंजिल्स के मेयर एरिक गार्सेटी को भारत में अमेरिका का नया राजदूत नियुक्त किया है। अमेरिकी संसद के उच्च सदन सीनेट से मंजूरी मिलने के बाद 50 वर्षीय गार्सेटी भारत में मौजूदा यूएस राजदूत केनेथ जस्टर की जगह लेंगे।

■ ट्विटर इंडिया ने विनय प्रकाश को रेजीडेंट ग्रीवांस अफसर (स्थानीय शिकायत अधिकारी) नियुक्त किया है। यह नियुक्ति भारत सरकार के नए आईटी नियमों को ध्यान में रखते हुए की गई है।

निधन

■ हिन्दी सिनेमा के दिग्गज कलाकार दिलीप कुमार का 07 जुलाई की सुबह निधन हो गया।

11 दिसंबर, 1922 को ब्रिटिश इंडिया के पेशावर (अब पाकिस्तान में) में जन्मे में दिलीप कुमार का असली नाम मोहम्मद युसुफ खान था। युसुफ खान ने अपनी पढ़ाई नासिक में की थी। दिलीप कुमार को भारत सरकार द्वारा कई अवॉर्ड से नवाजा गया था, दिलीप कुमार को पद्म विभूषण, दादा साहेब फाल्के अवार्ड, पद्म भूषण से नवाज़ा गया था। दिलीप कुमार 2000 से 2006 से राज्यसभा सांसद भी रहे। पाकिस्तान ने भी दिलीप कुमार को अपने सर्वोच्च नागरिक अवार्ड से नवाजा था।

■ 8 जुलाई, 2021 को हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता वीरभद्र सिंह का 87 साल की उम्र में लंबी बीमारी से जूझने के बाद निधन हो गया। वीरभद्र सिंह छह बार हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके थे। इसके अलावा वह पांच बार सांसद भी रह चुके हैं। मनमोहन सिंह के नेतृत्व में वो इस्पात मंत्री थे। कुल नौ बार वह विधायक चुने गए थे और वर्तमान में सोलन जिले के अरकी से वो विधायक थे।

■ प्रख्यात आयुर्वेदाचार्य और कोट्टक्कल आर्य वैद्यशाला (केएएस) के प्रबंध न्यासी डॉ. पी के वारियर का 10 जुलाई को निधन हो गया। वारियर 100 साल के थे। **- सौरभ सिंह**

विज्ञान

■ वर्जिन गैलेक्टिक कंपनी के मालिक रिचर्ड ब्रेनसन और पांच अंतरिक्ष यात्रियों ने 11 जुलाई 2021 को न्यू मैक्सिको से अंतरिक्ष की यात्रा आरंभ की। इस दौरान उनके साथ भारत में जन्मी श्रीशा बांदला भी हैं, जो कंपनी में सरकारी मामलों की अधिकारी हैं। उनका जन्म आंध्रप्रदेश में हुआ था। अंतरिक्ष के सफर पर जाने वाली श्रीशा भारतीय मूल की तीसरी महिला हैं। इससे पहले कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में गई थीं। लेकिन दुर्भाग्यवश कल्पना चावला का यान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उनकी मौत हो गई।

■ भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित एक स्वायत्त संस्थान डीबीटी- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोमेडिकल जीनोमिक्स (एनआईबीएमजी), कल्याणी ने मुंह के कैंसर में जीनोमिक बदलाव का एक डेटाबेस तैयार किया है जो दुनिया में अपने प्रकार का पहला डेटाबेस है। एनआईबीएमजी ने इस डेटाबेस को सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध कराया है। डीबीजेनवोक ओरल कैंसर के जीनोमिक वेरिएंट्स का ब्राउज करने योग्य ऑनलाइन डेटाबेस है और इसे मुफ्त उपलब्ध कराया गया है।

WEEKLY DAIRY

10 जुलाई

आर्थिक सहयोग के लिए भारत-इटली संयुक्त आयोग (जेसीईसी) की 21वीं बैठक आभासी माध्यम से 09 जुलाई 2021 को आयोजित की गई। केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और इटली के विदेश मामलों एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मंत्री लुइगी डि माओने संयुक्त रूप से इस बैठक की अध्यक्षता की।

11 जुलाई

भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने ब्रिक्स संचालन समिति की बारहवीं बैठक का आयोजन किया था। सभी ब्रिक्स देशों के विज्ञान मंत्रियों और एजेंसियों ने इस बैठक में भाग लिया। इस दौरान ब्रिक्स देशों (भारत, रूस, ब्राजील, चीन एवं दक्षिण अफ्रीका) ने नवाचार सहयोग कार्य योजना 2021-24 पर सहमति व्यक्त की है।

12 जुलाई

नोवाक जोकोविच ने इटली के मातेयो बेरितिनी को हराकर छठा विंबलडन टेनिस का सिंगल्स खिताब जीता। उन्होंने इटली के मातियो बेरेटिनी को 6-7, 6-4, 6-4, 6-3, से हराया। जोकोविच ने अब सर्वाधिक ग्रैंड स्लैम सिंगल्स खिताब में रोजर फेडरर और राफेल नडाल की बराबरी कर ली है।

अमर ज्ञान वर्ग पहेली-0567

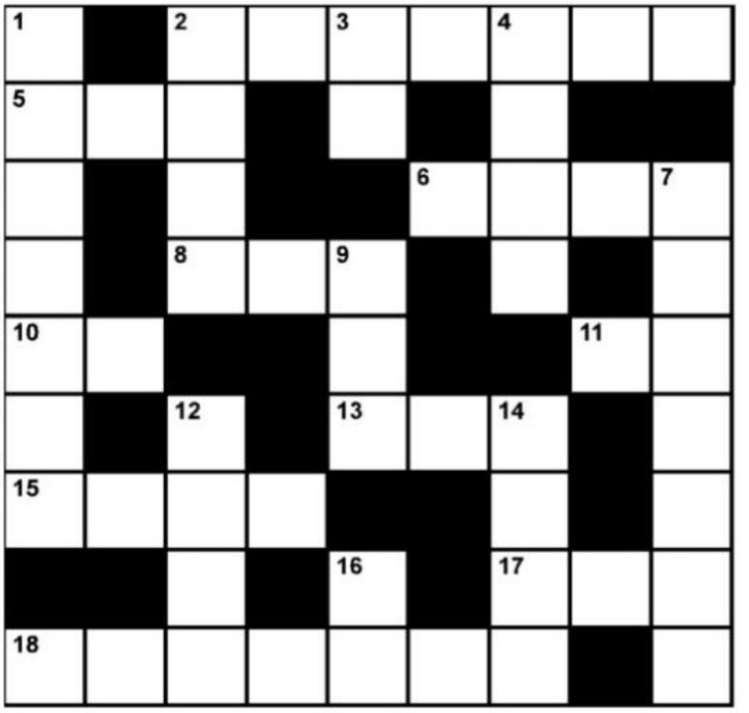

बाएं से दाएं: 10/38

2. अंग्रेज वायसराय जिसके कार्यकाल में भारत में क्रिप्स मिशन का आगमन हुआ (2,5)
5. योग्य पुत्र; होनहार बेटा (3)
6. पुष्ट देहवाला; सुंदर शरीरवाला; मूर्त; सुंदर; साकार (4)
8. किसी निर्वाचन के विरुद्ध न्यायालय से की गई प्रार्थना; विशिष्ट रूप से न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत प्रार्थना पत्र; निवेदन; प्रार्थना-पत्र (3)
10. आधारभूत अंग; कशेरुका; कीकस; पीठ की मुख्य हड्डी; पृष्ठास्थि; मेरुदंड (2)
11. खेत की उपजाऊ शक्ति बढ़ाने वाला पदार्थ; उर्वरक (2)
13. रुई का पौधा (3)
15. 1961 में आई राजेंद्र कुमार, बी सरोजा देवी, रत्न माला, महमूद, ललिता पवार, वास्ति, धूमल, रणधीर की फिल्म; पति के पिता का घर; श्वसुरालय; सासरा (4)
17. अवसर; अवधि; काल; वक्त (3)
18. भारत के 14वें राष्ट्रपति (2,2,3)

ऊपर से नीचे: 9/37

1. प्रख्यात भारतीय क्रांतिकारी जिन्हें जापानी सरकार ने 'आर्डर आफ द राइजिंग सन' के सम्मान से अलंकृत किया था (2,3,2)
2. 1991 में सोवियत संघ से निकला उत्तरपूर्वी यूरोप का एक देश जिसकी सीमाएं एस्टोनिया, बेलारूस, लिथुआनिया और रूस से मिलती हैं (4)
3. अक्षरों को अंकित करने वाले चिह्न (2)
4. बालीवुड में छोटे कद का एक हास्य कलाकार; जोनाथन स्विफ्ट के उपन्यास के नायक का एक गंतव्य जहां उसे बहुत ही छोटे कद के लोग मिलते हैं (4)
7. धन; रोकड़ (3,4)
9. कर्म में संलग्न व्यक्ति; श्रमिक; मजदूर; वह वस्त्र जिसमें चक्र, स्वस्तिक आदि चिह्न बुन कर बनाए गए हों (3)
12. 1969 में आई सचिन देव बर्मन के संगीत से सजी राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर, अशोक कुमार, फरीदा जलाल, सुजीत कुमार, अभि भट्टाचार्य, मदन पुरी, असित सेन, मनमोहन, सुभाष घई की फिल्म; उपासना; पूजा; सेवा; उपासना करना (4)
14. सभा का सदस्य; दरबारी (4)
16. आइवरी कोस्ट, घाना, न्यूगिनी, फिलीपींस, ब्राजील, मलेशिया, मैक्सिको, वेनेजुएला आदि देशों में पैदा होने वाला एक पौधा; पपीते जैसे फल के बीजों को भून कर बनाया गया चूर्ण जिससे चॉकलेट बनाते हैं (2)

– हरीश चन्द्र सन्सी
प्रस्तुति: विविधा विधा, दिल्ली

ANSWER

अमर ज्ञान वर्ग पहेली 0566

1 आ	वे	2 श	■	3 आ	का	4 श	दी	5 प
ण	■	क्ति	■	शु	■	ल्य	■	ड़ो
6 वि	ष्णु	प्र	भा	क	र	■	7 र्क	स
क	■	द	■	वि	■	8 द	■	न
■	9 द	र्श	क	■	10 य	क्षि	णी	■
11 य	■	न	■	12 अ	■	ण	■	13 आ
14 शो	ले	■	15 वि	रा	ट	को	ह	ली
ध	■	16 आ	■	ज	■	रि	■	शा
17 रा	ज	न	यि	क	■	18 या	प	न

रोचक शब्द पहेली को हल करना किसी मनोरंजन से कम नहीं है। तो आप भी कीजिए अपना बुद्धि परीक्षण...

ENGLISH GYAN

PERFECT YOUR ENGLISH

PHRASAL VERBS

(1) ***To skim through*** - to read something very quickly to find some particular facts (विशेष तथ्यों का पता लगाने के लिए तेजी से पढ़ना)

The editors of the newspapers skim through hundreds of articles daily to pick up the highly motivating ones for the use in their newspapers.)

(2) ***To come forward with something*** - to offer to give help or information to someone (किसी को मदद या सूचना प्रदान करना)

The economists have been instructed to come forward with the best possible remedies for the consistent slowdown in the growth rate of the economy.

(3) ***To improve upon something*** - to achieve something better in quality (क्वालिटी में बेहतर चीज प्राप्त करना)

My son's tutor has instructed him to improve upon the basics of English grammar to master the art of flawless writing.

(4.) ***To lapse into something*** - to become worse or less active (बदतर या कम सक्रिय स्थिति में पहुंचना)

The country has again lapsed into economic stagnation due to severe unemployment condition prevailing over the past decade.

श्रीप्रकाश शर्मा, प्राचार्य,
जवाहर नवोदय विद्यालय, मामित, मिजोरम

क्या आप जानते हैं ?

गणित विषय कितना रोचक है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विश्व में कई ऐसे महान गणितज्ञ पैदा हुए जिन्होंने कभी गणित की पढ़ाई आरंभिक दौर में या तो की नहीं या जिन्होंने दूसरे सफल पेशे को छोड़ गणित को अपना लिया। फरमा एक सफल वकील थे, गैलिलियो एक डॉक्टर थे। एलन ट्यूरिंग एक धावक थे। अगर बात करें भारतीय गणितज्ञ की, तो श्रीनिवास रामानुजन ने गणित में कोई उच्च शिक्षा नहीं ली और ग्यारहवीं में लगातार तीन बार असफल हुए व्यक्ति का गणित के फलक पर स्थापित हो जाना, गणित की विशालता को दिखाता है। भारतीय गणितज्ञ हरीश चन्द्र ने अपनी परा-स्नातक (मास्टर्स) तक की पढ़ाई भौतिकी विज्ञान में की, आरंभिक शोध और लेखन का काम भी भौतिकी में किया परन्तु बाद में ये प्रिन्सटन यूनिवर्सिटी में गणित के प्रोफेसर हो गये। यही नहीं स्वीडन के मशहूर सर्जन और निश्चेतनाविज्ञानी (anaesthesiologist) जान गुलबर्ग को ख्याति गणित और विज्ञान लेखन की वजह से मिली। उनकी प्रसिद्ध पुस्तक – मैथमेटिक्सः- फ्रॉम द बर्थ ऑफ नंबर्स को खूब सराहना मिली और अमेरिकन मैथमेटिकल सोसाइटी ने तो इस पुस्तक को समकालीन पुस्तकों में सर्वश्रेष्ठ कह दिया। अब बात आगे बढ़ाते हैं और ऐसे दो गणित के रोचक लेखक की बात करें जिन्हें हर कोई बड़े चाव से पढ़ता है, पर ये सज्जन गणित के साथ बढ़े तो नहीं थे, पर गणित ने इन्हें फलक पर बिठा दिया। मार्टिन गार्डनर का नाम आपने सुना ही होगा। गणित की पहेली और दिमागी कसरत पर लिखी इनकी पुस्तक आज हर बड़े और बच्चों की पसंद है। अमेरिकन पत्रिका साइंटिफिक के लिए लिखते हुए इन्होंने अपना खूब नाम कमाया और साथ ही भारतीय गणितज्ञ कापरेकर की खोजों को पूरे विश्व में मशहूर कर दिया। महान गणितज्ञ रामानुजन की जीवनी लिखने वाले रोबर्ट केनिगल जो पेशे से एक स्वतंत्र लेखन का काम करते हैं को उनकी पुस्तक- वह व्यक्ति जो अनंत जानता है (a man who knew infinity) ने मशहूर बना दिया। 2015 में बनी फिल्म man who knew infinity इसी पुस्तक पर आधारित है।

गेरेलामो कार्डेनो का नाम गणित में बड़े आदर से लिया जाता है। पेशे से डॉक्टर कार्डेनो ने अपनी पढ़ाई के बाद अपना क्लिनिक खोलने की इच्छा जताई पर सरकारी तंत्र से इनके मतभेद की वजह से इन्हें मिलान शहर में क्लिनिक के लिए लाइसेंस नहीं दिया गया और ये शहर छोड़ दूसरे शहर चले गये जहां इन्होंने बिना लाइसेंस के अपना क्लिनिक खोला पर गणित के प्रति प्यार की वजह से ये मिलान में गणित के प्राध्यापक भी बन गये और अपने क्लिनिक और गणित अध्यापन का काम करते रहे। कार्डेनो को ऋणात्मक संख्या पर यूरोपीय देशों में सबसे पहले काम करने के लिए जाना जाता है साथ ही बीजगणित में त्रिघात और चतुर्घात समीकरण का हल करने का श्रेय भी इन्हें दिया जाता है। तरतगलिया के द्वारा त्रिघात और चतुर्घात समीकरण के हल का पत्र व्यवहार को इन्होंने अपनी खोज बताकर प्रकाशन कराया यह आरोप भी इन पर लगता है पर जब बात पत्र व्यवहार की हो, तो अनायास कबूतर की याद आती है, जो सन्देश वाहक का काम करते हैं। गणित में एक ऐसे ही सिद्धांत को कबूतरखाना (पिजनहोल) समस्या के रूप में जानते हैं। यदि n वस्तु को m खाने में रखा जाए जहां $n > m$ तो कम से कम एक खाना ऐसा होगा जिसमें एक से अधिक वस्तु रखी जाएगी।

यहां 9 खाने में 10 कबूतर बैठे हैं इसलिए एक खाने में एक से अधिक कबूतर बैठे हैं। इसे आप ऐसे समझें, अगर आपके पास 3 मौजे हैं, तो इनमें 2 मौजे या तो बाएं पैर के लिए होंगे या दायें। डाकघर में चिठ्ठी की छटाई इसी सिद्धांत के आधार पर की जाती है। यही नहीं जन्मदिन से सम्बंधित प्रायिकता के प्रश्नों के हल करने में भी यह विधि कारगर है। बस गणित के ऐसे ही अनछुए पहलू पर आगे भी चर्चा जारी रहेगी।

-डॉ. राजेश कुमार ठाकुर

INTERNSHIP ALERT

वीडियो मेकिंग/एडिटिंग इंटर्नशिप
कंपनी – एडवंता टेक्नोलॉजीस
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 7,500-15,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन– https://bit.ly/AU-0185
आवेदन की अंतिम तिथि–16अगस्त 2021

मशीन लर्निंग इंटर्नशिप
कंपनी – क्लेवरिट डिजिटल सोलूशन्स
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 10,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन– https://bit.ly/AU-0186
आवेदन की अंतिम तिथि–16अगस्त 2021

इंटीरियर डिज़ाइन इंटर्नशिप
कंपनी – फ्लिपस्पेसेस
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 5,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन –https://bit.ly/AU-0187
आवेदन की अंतिम तिथि–16अगस्त 2021

UI डिज़ाइन इंटर्नशिप
कंपनी – इनकूप
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 15,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन–https://bit.ly/AU-0188
आवेदन की अंतिम तिथि–16अगस्त 2021

वेब डेवलपमेंट इंटर्नशिप
कंपनी – लिटरेट डिजिटल लैब्स
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 5,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन– ttps://bit.ly/AU-0189
आवेदन की अंतिम तिथि–16अगस्त 2021

मार्केटिंग इंटर्नशिप
कंपनी – बइजूस - द लर्निंग ऍप
कहां – लखनऊ
वेतन – 12,000-15,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन–https://bit.ly/AU-0190
आवेदन की अंतिम तिथि–16अगस्त 2021

ह्यूमन रिसोर्स (HR) इंटर्नशिप
कंपनी – हम एक मध्यम
कहां – लखनऊ
वेतन – 14,000-16,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन– https://bit.ly/AU-0191
आवेदन की अंतिम तिथि–16अगस्त 2021

SCHOLARSHIP ALERT

एफआईएचएफसी स्कॉलरशिप 2021-22

विवरण :
फुलर्टन इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड 10वीं से 12वीं तक के छात्रों को उनकी आगे की पढ़ाई के लिए फाइनेंशियल सपोर्ट प्रदान करने के लिए स्कॉलरशिप की एप्लिकेशन आमंत्रित करती है। स्कॉलरशिप का उद्देश्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से आने वाले होनहार छात्रों की मदद करना है।

मानदंड : स्कॉलरशिप गुजरात(अहमदाबाद और सूरत), राजस्थान(जयपुर), उत्तर प्रदेश(लखनऊ) और उत्तराखंड(देहरादून) के छात्रों के लिए है। कक्षा 10 से 12वीं तक के छात्र इस स्कालरशिप के लिए पात्र होंगे। आवेदकों ने अपने पिछले क्वालिफाइंग एक्जाम में 60% से अधिक अंक प्राप्त किए होने चाहिए। सभी स्रोतों से उनकी सालाना पारिवारिक आय रू 4,00,000 (4 लाख) से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

इनाम/लाभ : 10,000 रुपये (फिक्स्ड, एक मुश्त)

अंतिम तिथि : 31जुलाई, 2021

आवेदन कैसे करें : इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन लिंक : www.b4s.in/au/FIHS1

Admission Alert

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट एंड डिजाइन

कोर्स एवं योग्यता : बैचलर इन फैशन डिज़ाइन, कम्युनिकेशन डिज़ाइन और इंटीरियर आर्किटेक्चर एंड डिज़ाइन

योग्यता : 12वीं पास

अवधि : 4 साल

बैचलर इन फैशन बिजनेस मैनेजमेंट

योग्यता : 12वीं पास

अवधि : 3 साल

पोस्ट ग्रेजुएट फैशन डिज़ाइन एंड फैशन बिजनेस मैनेजमेंट

अवधि : 2 साल

योग्यता : किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएशन

आवेदन प्रक्रिया : इच्छुक और योग्य उम्मीदवार इंस्टीट्यूट की वेबसाइट "apply@iiad.edu.in " में जाकर अपनी शैक्षणिक और निजी जानकारी भरकर तथा प्रॉस्पेक्टस फीस का भुगतान कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं अथवा संस्था में आवेदन राशि का भुगतान कर प्रॉस्पेक्टस एवं आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

पता : बी-26 ओखला एस्टेट मार्ग, पॉकेट-बी, ओखला फेज-1, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली-110020

दूरभाष: 91-9871383633, 011-41380000

ई-मेल: apply@iiad.edu.in

अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट: www.iiad.edu.in

वर्ष 2021-22 के लिए भूमि फेलोशिप

विवरण : भूमि (स्वयं सेवी संस्था) 20 से 30 साल की उम्र के युवा स्नातकों से आवेदन आमंत्रित कर रही है और उन्हें भारत में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए दो वर्षीय नॉन रेजिडेंशियल फेलोशिप प्रदान कर रही है। इस फेलोशिप का उद्देश्य उन चेंजमेकर्स का कैडर बनाना है जो स्कूलों में कम समय में तेज़ी से सकारात्मक बदलाव लाएँ और शिक्षा जगत में दीर्घकालिक बदलाव के लिए मूवमेंट का नेतृत्व करें।

मानदंड : यह फेलोशिप अंतिम वर्ष के छात्रों/स्नातकों को दी जाती है, जिनकी उम्र 20 से 30 वर्ष के बीच है। आवेदकों के पास किसी भी क्षेत्र में पहले से स्वयंसेवा या काम करने का अनुभव होना चाहिए। उनमें दो साल की फुल टाइम फेलोशिप के लिए दृढ़ संकल्प के साथ शिक्षा प्रणाली को बदलने का जोश होना चाहिए।

इनाम/लाभ : 18,000 रुपये प्रति माह और अन्य लाभ

अंतिम तिथि : 30 सितंबर, 2021

आवेदन कैसे करें : इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन लिंक : www.b4s.in/au/THB1

कोविड क्राइसिस (ज्योति प्रकाश) सपोर्ट स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2021

विवरण : कोविड क्राइसिस(ज्योति प्रकाश) सपोर्ट स्कॉलरशिप प्रोग्राम का उद्देश्य उन बच्चों की पढ़ाई में मदद करना है जो कोरोना के कारण आर्थिक संकट से जूझ रहे हों और उनकी आगे की पढ़ाई के लिए बहुत कम या कोई आर्थिक मदद नहीं है।

मानदंड : यह स्कॉलरशिप कक्षा एक से स्नातक तक के भारतीय छात्रों को जा रही है। वे निम्नलिखित में से किसी भी संकट की स्थिति से गुजर रहे हों, जैसे - जनवरी 2020 से उनके माता-पिता/परिवार का कमाने वाले सदस्य जीवित न हों या परिवार के कमाने वाले सदस्य की नौकरी/रोजगार न हो। छात्रों ने एडमिशन लिया हो और अपनी शिक्षा जारी रखना चाहते हों। ऐसे अभ्यार्थी ही स्कॉलरशिप पाने के पात्र होंगे।

इनाम/लाभ : 30,000 रुपये तक प्रति वर्ष और मेंटरशिप लाभ

अंतिम तिथि : 31 जुलाई, 2021

आवेदन कैसे करें : इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन लिंक : www.b4s.in/au/CCSP1